माथापच्ची

मेरे पास चवन्नी-अठन्नी का एक ढेर है। तुम इसमें से तीन रुपए ले सकते हो। हाँ, पर ढेर में से तुम नौ सिक्के ही निकाल सकते हो। बताओ इन नौ सिक्कों में कितनी चवन्नियाँ और कितनी अठन्नियाँ होंगी?

नौ सिक्कों को
तीन पंक्ति में
ऐसे रक्खो भाई
हर पंक्ति में चार-चार
सिक्के पड़ते दिखलाई।

चौकोर में चौकोर

शतरंज के इस बोर्ड में कुल कितने चौकोर हैं?

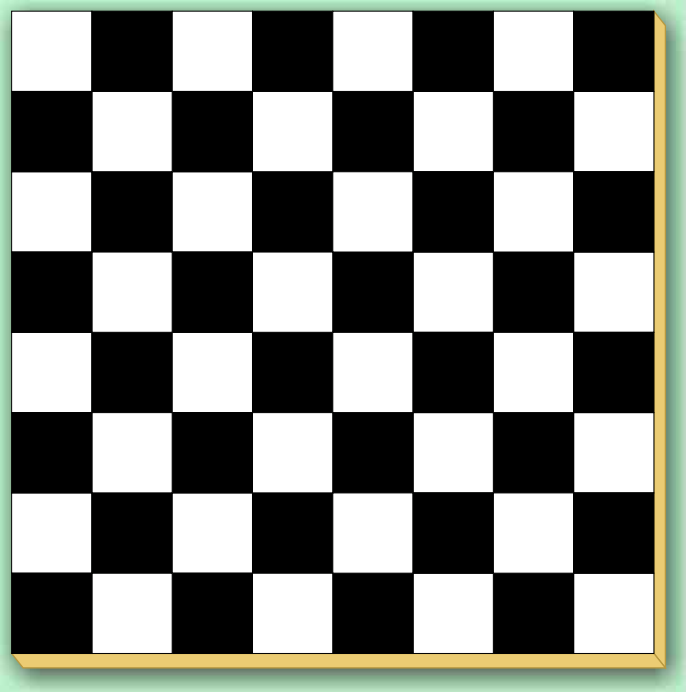

उलझन

दसवीं की परीक्षा अगले महीने शुरू होने वाली है। तुम्हारे चार दोस्त आकर कहते हैं, "अपने को पेपर मिल सकते हैं। ट्यूशन वाले दत्ता साब कह रहे हैं कि वे इन्तज़ाम कर देंगे।"

"कितना लगेगा," तुम पूछते हो।

"डेढ़ हज़ार।"

"और पकड़े गए तो? हमारा नाम कट जाएगा। माता-पिता तो मुझे घर से निकाल देंगे।" तुम्हें थोड़ी बेचैनी होती है। "और यह तो चोरी है। उन लोगों का क्या होगा जिन्हें पेपर नहीं मिलेंगे?"

"अरे कुछ नहीं होगा यार," वे लोग तुम्हें समझाते हैं। "अरे यार, सभी लोग ऐसा करते हैं। आजकल यही चलता है।"

"और यह कितनी फालतू की परीक्षा है। इसमें तुम्हारी अकल की जाँच तो होती नहीं। बस, रटो और उगलो। सोचो, रिज़ल्ट अच्छा रहा तो अपनी पसन्द के कोर्स में जा सकेंगे।"

"बाकी लोगों को भूल जाओ, अपनी फिक्र करो। आखिर यह तुम्हारे भविष्य का सवाल है।"

तुम उलझन में हो। उनकी बातें भी सही लगती हैं। पर कुछ ठीक भी नहीं लगता। तुम्हें क्या करना चाहिए? तुम क्या करोगे? कारण सहित बताओ।

चुनिन्दा जवाबों को आकर्षक इनाम दिए जाएँगे।